# केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन की आचार्य महाश्रमण से खुली वार्ता

उदयपुर, 2 जून। केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री प्रदीप जैन ने गुरूवार को कडिया गांव में आचार्य महाश्रमण से भेंट की। साथ में उनकी धर्मपत्नी भी थीं। श्री जैन ने कहा कि अपनी धवल सेना सहित पदयात्राओं से मेवाड के गांव–दर–गांव विहार करते हुए ग्रामीणजनों में नशा मुक्ति, अहिंसा धर्म तथा जीवन शुद्धि के लिए आपकी देन नये भारत का निर्माण कर रही है। इससे ग्रामीणजनों के विकास, उत्थान और जीवनोन्नति का सरकार का जो लक्ष्य है वह भी पूरा हुआ जा रहा है। आपके इस अभियान में सरकार भी पूर्ण रूप से अपना सक्रिय सहयोग देने के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

इस भेंट के दौरान आचार्यश्री और मंत्रीजी के बीच जो बातचीत हुई उसके मुख्य अंश इस प्रकार हैं–

आचार्यश्री – राजनीति का स्तर कैसा है?

मंत्री – लोगों के लिए राजनीति एक धंधा बन गई है। आचार्य चाणक्य के समय में राजनीति एक साधना थी।

आचार्यश्री – अच्छा हो, इस क्षेत्र में भी लोग त्याग और सेवा का मार्ग अपनाएं।

मंत्री – 95 प्रतिशत से अधिक व्यक्ति अवैधानिक कार्य करते हैं। लगता है, सारे आदर्श सपना हो गए हैं।

आचार्यश्री – राजनीति मूल्यपरक रहे इसके लिए प्रयास करना होगा। यथा संभव हम भी आम लोगों को नशेपते से दूर रहने, हिंसक वारदातें नहीं करने, कन्या भ्रूण को पाप समझने, ईमानदारी का पालन करने तथा साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाये रखने की प्रेरणा देते हैं।

मंत्री – पिछले दिनों मैंने प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह से भेंट कर जैन समाज को अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने संबंधी चर्चा की थी। मुझे उम्मीद है इस संबंध में शीघ्र ही वे अपना सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रदीप जैन न केवल विचारों से अपितु अपने जीवन व्यवहार में भी जैनत्व से अधिक प्रेरित एवं प्रभावित हैं। यही कारण है कि जब उन्होंने होटल ट्राइडेंट में एकसाथ शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन परोसा देखा तो वे बिना भोजन किए ही वहां से चल दिये।

राज्यमंत्री प्रदीप जैन की इस भेंट के दौरान तेरापंथ सभा के अध्यक्ष शांतिलाल सिंघवी, मंत्री राजकुमार फत्तावत, युवक परिषद के अध्यक्ष विनोद माण्डोत एवं मंत्री दीपक सिंघवी तथा दिल्ली के शीतल वर्डिया भी उपस्थित थे।

(राजकुमार फत्तावत) मंत्री,